



Coorg Summary Class 10 English

Coorg lies midway between Mysore and the coastal town Mangalore. It looks like a piece of heaven on the earth. It is a hilly place of brave men, beautiful women and wild creatures. It is also known by the name of Kodagu.

Coorg can be reached from Mangalore, Bengaluru or Mysore by rail, road or air. Coorg is the smallest district of Karnataka. It is the home of evergreen forests, spices and coffee plantations. It rains heavily during the monsoons, and the visitors keep away. But the months from September to March are very pleasant. The air breathes of refreshing coffee.

The Coorg people live a life of complete independence. It is believed that they are descended from the Greeks or the Arabs. According to the Greek theory, it is said that a part of Alexander's army found it impossible to go back and was left here. They wedded the locals. The martial traditions of the Greeks, their marriage and religious rites are quite visible among the people of Coorg.

According to the Arab theory, the kuppia (a long, black coat with an embroidered belt) worn by the Kodavus resembles the kuffia worn by the Arabs and the Kurds. Kodavus or Coorgis are known for their bravery and hospitality. The Coorg Regiment of the Indian Army has won many bravery awards. General Cariappa, the first Chief of the Indian Army, was a Coorgi.

The river, Kaveri, obtains its water from the hills and forests of Coorg. The area is rich in wildlife like elephants, kingfishers, squirrels, langurs. The most popular adventure sports are rafting, canoeing, rappelling, rock climbing and mountain biking. The Nisargadhama island is a lovely island beyond the Brahmagiri hills. The Buddhist monks settled here and gave us a glimpse of the heart and soul of India.

Coorg Summary In Hindi

कूर्ग मैसूर और तटीय शहर मैंगलोर के बीच में स्थित है। यह धरती पर स्वर्ग का एक टुकड़ा जैसा दिखता है। यह वीर पुरुषों, सुन्दर स्त्रियों और वन्य जीवों का पहाड़ी स्थान है। इसे कोडागु के नाम से भी जाना जाता है।

कूर्ग तक मैंगलोर, बेंगलुरु या मैसूर से रेल, सड़क या हवाई मार्ग से पहुंचा जा सकता है। कूर्ग कर्नाटक का सबसे छोटा जिला है। यह सदाबहार जंगलों, मसालों और कॉफी के बागानों का घर है। मानसून के दौरान भारी बारिश होती है और पर्यटक दूर ही रहते हैं। लेकिन सितम्बर से मार्च तक का महीना बहुत सुहावना होता है। हवा ताज़गी भरी कॉफी की साँस लेती है।

कूर्ग के लोग पूर्ण स्वतंत्रता का जीवन जीते हैं। ऐसा माना जाता है कि वे यूनानियों या अरबों के वंशज हैं। यूनानी सिद्धांत के अनुसार कहा जाता है कि सिकंदर की सेना के एक हिस्से को वापस जाना असंभव लग रहा था और वह यहीं रह गया था। उन्होंने स्थानीय लोगों से शादी की। यूनानियों की मार्शल परंपराएं, उनके विवाह और धार्मिक संस्कार कूर्ग के लोगों के बीच काफी दिखाई देते हैं।

अरब सिद्धांत के अनुसार, कोडावस द्वारा पहना जाने वाला कुप्पिया (कढ़ाई वाली बेल्ट वाला एक लंबा, काला कोट) अरबों और कुर्दों द्वारा पहने जाने वाले कुफिया जैसा दिखता है। कोडावस या कूर्गिस अपनी बहादुरी और आतिथ्य सत्कार के लिए जाने जाते हैं। भारतीय सेना की कूर्ग रेजिमेंट ने कई वीरता पुरस्कार जीते हैं। भारतीय सेना के पहले प्रमुख जनरल करिअप्पा कूर्गी थे।

कावेरी नदी अपना पानी कूर्ग की पहाड़ियों और जंगलों से प्राप्त करती है। यह क्षेत्र हाथी, किंगफिशर, गिलहरी, लंगूर जैसे वन्यजीवों से समृद्ध है। सबसे लोकप्रिय साहसिक खेल राफ्टिंग, कैनोइंग, रैपलिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और माउंटेन बाइकिंग हैं। निसारगधामा द्वीप ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से परे एक सुंदर द्वीप है। बौद्ध भिक्षु यहां बस गए और हमें भारत के हृदय और आत्मा की झलक दिखाई।